स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश

नगर की खबर
नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश
2023

स्वच्छता टाइम्स

अंक 5 दिनांक: 31 जनवरी 2023

श्री ए० के० शर्मा
माननीय नगर विकास मंत्री

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्ग दर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के मजबूत नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की इस गौरवशाली यात्रा में प्रदेश के नगर विकास विभाग को अहम सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह विभाग के लिए गौरव की बात है। उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' बनाने में नगर विकास एक मजबूत सेक्टर के रूप में उभर कर सामने आया है। नगर विकास के विभिन्न क्षेत्रों के विकास में निवेश की असीम संभावनाएं हैं। सालिड वेस्ट एनर्जी, बायो फ्यूल तथा बायो एनर्जी जैसे क्षेत्र में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यह ऐसे क्षेत्र हैं जो पर्यावरण के लिए जरूरी होने के साथ-साथ आमजन तक के लिए भी मुफीद साबित होंगे। बायो फ्यूल व बायो एनर्जी भविष्य के ईंधन हैं जिनसे सब कुछ संचालित होगा। देश और प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए पहचाना जाने वाला नगर विकास अर्थव्यवस्था का सबसे अहम सेक्टर बन कर उभरने वाला है। हमें 'कचरे' से 'कंचन' बनाकर उत्तर प्रदेश को स्वच्छ एवं समृद्ध प्रदेश बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है। आधुनिक तकनीकी से गीले और सूखे कचरे का निस्तारण कर हम मुनाफा कमाने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान भी दे सकते हैं। इसके अलावा सिंगल यूज प्लास्टिक जोकि हमारे पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है, हमें इसके फायदेमंद निस्तारण के और तरीके खोजने होंगे। फिलहाल अभी हम इसका उपयोग सड़क इत्यादि बनाने में कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में अभी और कार्य करने की जरूरत है। इसके साथ ही प्रदेश के नगरों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी निरंतर जारी है। हम उत्तर प्रदेश के नगरों को वैश्विक स्तर का बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। जी-20 सम्मलेन के शानदार आयोजन के साथ ही उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त एवं समृद्ध छवि पेश करने में भी सफल होगा।

नगर पालिका परिषद मऊ द्वारा '10तक डोर टू डोर' अभियान को सफल बनाने के लिए शहर के मुख्य चौराहों एवं गलियों में वॉल पेंटिंग कराई गई है। कर्मचारी एवं सफाई मित्र घर-घर जाकर प्रार्थना के माध्यम से कूड़े के सोर्स सेग्रीगेशन के लिए जागरूक करेंगे।

कूड़ा कलेक्शन के लिए एक फरवरी से चलेगा '10तक-डोर टू डोर' अभियान

01 फरवरी से 31 मार्च तक चलेगा अभियान

- तीन चरणों 'प्रार्थना, सहमत और चालान' के जरिए मुकम्मल होगी मुहिम
- सहयोग और सहमत के बाद भी नहीं मानें, कटेगा चालान,लगेगा जुर्माना
- सोर्स सेग्रीगेशन के लिए आम जनमानस को किया जायेगा जागरुक
- अभियान में जनप्रतिनिधियों, एनजीओ, सीएसओ एवं सामाजिक संस्थाओं का लिया जाएगा सहयोग

प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में स्वच्छ भारत मिशन,नगरीय 2.0 के तहत सूखे और गीले कचरे को अलग अलग कराकर शत प्रतिशत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने के लिए 01 फरवरी से "10तक" डोर टू डोर" अभियान शुरू किया जा रहा है। माननीय नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के.शर्मा जी बुधवार को स्थानीय निकाय निदेशालय स्थित सभागार में इसका उद्घाटन करेंगे। 31मार्च, 2023 तक 03 चरणों में प्रार्थना, सहमत, चालान की दृष्टि से यह अभियान चलाया जायेगा। इसमें,प्रथम चरण 01 से 15 फरवरी तक, द्वितीय चरण 16 फरवरी से 03 मार्च तक और तीसरा चरण 04 मार्च से 31 मार्च तक चलाया जाएगा।

इस अभियान की तैयारियों को लेकर प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात जी ने सोमवार को समीक्षा बैठक की। गोमतीनगर विस्तार स्थित नगरीय निकाय निदेशालय में बैठक के दौरान प्रमुख सचिव महोदय ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वहीं, राज्य मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश श्रीमती नेहा शर्मा ने सभी नगर आयुक्तों एवम् अधिशासी अधिकारीयों को निर्देशित किया है कि सभी निकाय अभियान की शुरुआत से पहले अपने यहां मशीनरी और मैनपावर का समुचित प्रबन्ध कर पूर्णरूप से तैयारी कर ले। स्वच्छता के इस महाभियान में सभी नागरिकों का भी सहयोग लेना आवश्यक है। इसके भी प्रयास किए जाएं।

स्वच्छता के लिए घर-घर जाकर करेंगे प्रार्थना

प्रथम चरण 01 से 15 फरवरी तक चलाया जाएगा। जिसके तहत सफाई मित्र घर-घर जाकर आम जनमानस को '10तक डोर टू डोर' अभियान में सहभागिता के लिए 'प्रार्थना' करेंगे। जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी जाएगी। आमजन को चिकनगुनिया, डेंगू, मलेरिया आदि जनित रोगों से बचाव के लिए भी जागरुक किया जाएगा।

सफाई चैंपियन कूड़ा पृथक्करण के लिए करेंगे जागरूक

द्वितीय चरण 16 फरवरी से 03 मार्च तक चलाया जाएगा। साथ ही स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति द्वारा वार्ड स्तर पर डोर टू डोर कैम्पेन के माध्यम से जनजागरुकता एवं जनसहभागिता सुनिश्चित कराई जाएगी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, एनजीओ, सीएसओ एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जनमानस को स्वच्छता बनाए रखने के प्रति 'सहमत' भी कराया जाएगा।

गंदगी फैलाने वालों पर लगेगा जुर्माना , कटेगा चालान

तीसरे चरण 04 मार्च से 31 मार्च तक चलाया जाएगा। अभियान में गंदगी फैलाने वालों को चिन्हित कर उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। मौके पर ही चालान भी काटा जायेगा।

नगर विकास विभाग को डिजिटल इनोवेशन और जनकल्याणकारी योजना के सफल संचालन के लिए मिले दो स्कॉच अवार्ड

लखनऊ। नगर विकास विभाग को डिजिटल इनोवेशन और जनकल्याणकारी योजना के सफल संचालन के लिए एक साथ दो प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया है। स्थानीय निकाय निदेशालय को ई-गवर्नेंस के लिए स्कॉच सिल्वर अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड निदेशालय द्वारा विकसित ऑनलाइन सैलेरी मैनेजमेंट सिस्टम 'ई-वेतन' के सफलतापूर्वक संचालन के लिए दिया गया है। निदेशालय की ओर से निदेशक, स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

वहीं, राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) को भी स्कॉच सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। राज्य नगरीय विकास अभिकरण को यह पुरस्कार पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के सफल संचालन के लिए दिया गया है।

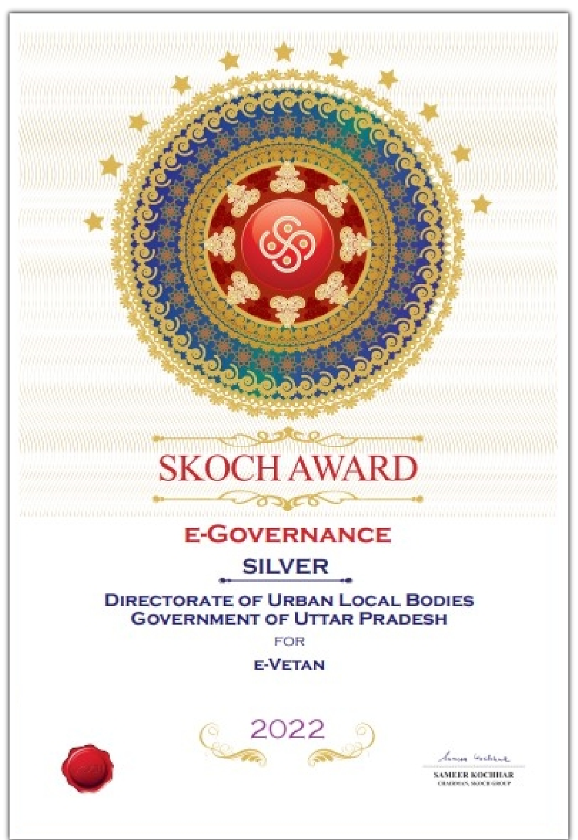

प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग श्री अमृत अभिजात जी ने स्थानीय निकाय निदेशालय और राज्य नगरीय विकास अभिकरण को इस पुरस्कार के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग बेहतर जनसेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

ई-वेतन : एक क्लिक पर 762 निकायों का ब्योरा

स्थानीय निकाय निदेशालय में ऑनलाइन सैलेरी मैनेजमेंट सिस्टम 'ई-वेतन' के माध्यम से प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन से संबंधित लेखा-जोखा तैयार किया जाता है। एक सिंगल क्लिक पर सभी कर्मचारियों की ब्योरा प्राप्त किया जा सकता है। इससे एक ओर जहां कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है वहीं, रियल टाइम डेटा मैनेजमेंट भी सम्भव हो सका है। इसमें, कर्मचारी की व्यक्तिगत जानकारी, उसके द्वारा किए गए कार्यों के ब्योरा से लेकर सैलेरी का आंकलन तक सुनिश्चित किया जा रहा है।

इन्वेस्टर्स समिट : 21 हजार करोड़ के निवेश पर लगी मुहर

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में उद्यमियों को निवेश के लिए आमंत्रित करने के उद्देश्य से नगर विकास विभाग और इंडियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के संयुक्त तत्वावधान में 25 जनवरी को विभूति खण्ड स्थित आईआईए भवन में इन्वेस्टर्स समिट के तहत सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें 21 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लिए विभिन्न कम्पनियों व नगर विकास विभाग के बीच 67 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर एक हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। नगरीय विकास के क्षेत्र में एमएसएमई, बायो फ्यूल, बायो सीएनजी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सौर ऊर्जा, प्लास्टिक से सड़क निर्माण, सालिड बेस्ड ट्रीटमेंट आदि के क्षेत्र में निवेश के लिए सहमति बनी। इसके साथ ही प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेटर्स समिट के दृष्टिगत आईआईए के उद्यमियों के साथ नगर विकास के क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश करने पर चर्चा हुई। इस मौके पर नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में अरबन सेक्टर विकास की धुरी बनता जा रहा है, इसे अब प्रदेश का ग्रोथ सेक्टर कहा जाता है। यह बहुत ही पोटेन्सियल सेक्टर है। प्रधानमंत्री जी 'वेस्ट टू गोल्ड' एवं 'वेस्ट टू वेल्थ' की बात करते थे, जिसे प्रदेश में धरातल पर लाया जा रहा है। कहा कि नगरों के विकास के लिए नीतिगत निर्णय लिए जाएंगे। शहरों को व्यवस्थित किया जा रहा है। नगर विकास को राजस्व की प्राप्ति हो, इस पर कार्य किया जा रहा है। उद्यमियों में से कोई इसका मॉडल बनाकर प्रस्तुत करना चाहे, तो उसका भी स्वागत है। इस मौके पर नगर विकास राज्यमंत्री श्री राकेश राठौर गुरू, प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात, सचिव श्री रंजन कुमार, विशेष सचिव श्री राजेन्द्र पेन्सिया, निदेशक नगरीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा विभागीय अधिकारियों के साथ आईआईए चैप्टर के पदाधिकारी और उद्योगपति उपस्थित थे।

GVP को विलोपित कर तैयार किया कंपोस्टिंग स्थल "उपजाऊ"

नगर पालिका परिषद हरदोई में GVP (garbage vulnerable point) को पूर्णतः विलोपित कर यहां अब कंपोस्टिंग स्थल "उपजाऊ " तैयार किया गया है। जिला परियोजना प्रबंधक (स्वच्छ भारत मिशन- नगरीय) पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि नगर पालिका परिषद हरदोई के वार्ड संख्या 5 में मलिन बस्ती के पास इस स्थान पर स्थानीय लोगों के द्वारा कूड़ा फ़ेक कर उसको GVP बना दिया गया था।

माननीय नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा जी द्वारा प्रतिबद्ध अभियान की शुरूआत की। इस अभियान के दौरान इस स्थान की भी सफाई कराई गई। इस स्थल पर विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र कंपोस्टिंग स्थल का निर्माण किया गया है, जिससे 2 वार्डों से निकलने वाले कचरे का प्रबंधन वार्ड स्तर पर ही किया जाता है। इससे परिवहन शुल्क की बचत के साथ आस पास के निवासियों को घर मे कंपोस्टिंग के सम्बन्ध मे जागरूकता भी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि इससे अब कचरा उत्सर्जन भी कम किया जा सकेगा।

G-20 वॉकाथन में चल पड़े लखनऊवासी

श्री अमृत अभिजात
प्रमुख सचिव नगर विकास

स्वच्छ भारत मिशन से उत्तर प्रदेश में काफी बदलाव आया है। नगरीय क्षेत्रों में आम जनमानस इस बदलाव को स्पष्ट रूप से महसूस कर रहे हैं। हम प्रदेश के नगरों को वैश्विक स्तर का बनाने को प्रतिबद्ध हैं। जन-जन तक नगरीय सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। अब योजनाओं का लाभ हर जरुरतमंद को मिल रहा है, जिससे उसके जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। बदलाव का यह क्रम हमें निरंतर जारी रखना है। जी-20 व ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे आयोजन हमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कराने का मंच हैं। ऐसे में हमें अपने नगरों को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविकसित प्रदर्शित कर उत्तर प्रदेश की एक अलग छवि स्थापित करनी है। सफाई मित्रों द्वारा अपने दायित्व का निर्वहन निष्ठापूर्वक किया जा रहा है। स्वच्छता बनाए रखने में आम जन का सहयोग भी भरपूर मिल रहा है। जन चेतना ही स्वच्छ नगर का आधार है, इसी मूल मंत्र के साथ हमें आगे बढ़ते जाना है।

श्रीमती नेहा शर्मा
निदेशक, स्थानीय निकाय

उत्तर प्रदेश के नगरों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। आमजन भी स्वच्छता को लेकर जागरुक हो रहे हैं। जनजागरुकता की मशाल लगातार जलती रहे इसके लिए विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न अभियान संचालित कर जनभागीदारी सुनिश्चित की जाती है। हाल ही में शुरु किए गए स्वच्छ ढाबा, स्वच्छ विरासत जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम हमारे सामने आए हैं। साफ-सफाई को जन-जन की आदत बनाने के लिए विभाग द्वारा एक फरवरी से '10तक डोर टू डोर' अभियान की शुरुआत की जा रही है। इस अभियान के तहत सफाई मित्र एवं निकाय कर्मी घर-घर जाकर साफ-सफाई का महत्व समझाएंगे। सबसे अंत में साफ-सफाई में सहयोग न करने वालों पर आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। इससे लोगों में जागरुकता भी आएगी साथ ही लापरवाह लोग भी चिन्हित हो सकेंगे। आपसी सहयोग से ही हम अपने नगरों को वैश्विक स्तर पर बना सकते हैं। उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली जी-20 की बैठकों में शामिल होने आ रहे विदेशी मेहमानों के समक्ष हमें यूपी की उत्कृष्ट तस्वीर पेश करनी है।

उत्तर प्रदेश के चार शहरों में फरवरी माह से आयोजित होने जा रहे जी-20 सम्मेलन को लेकर व्यापक जनजागरुकता का प्रसार करने के लिए 21 जनवरी को 'रन फॉर जी-20 वॉकाथन' का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने लखनऊ में जी-20 वॉकथॉन को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि दुनिया आज भारत की ओर उत्साह और उमंग के साथ देख रही है। वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर की भावना को ध्यान में रखते हुए भारतीय मनीषियों की सोच को चरितार्थ करने का अवसर यूपी के पास आया है। दुनिया के बीस बड़े देशों के प्रतिनिधि और 9 मित्र देशों के प्रतिनिधि भी इस आयोजन के साथ जुड़ेंगे। यह हमारे लिए आनंद का विषय होगा कि आतिथ्य सेवा के साथ-साथ देश ने विकास की जिन नई ऊंचाइयों को छुआ है, उन्हें प्रदर्शित करने का अवसर हमें प्राप्त हो रहा है। यूपी ने तकनीकी के क्षेत्र में जिस प्रकार की सक्षमता को प्राप्त किया है, उसे प्रदर्शित करने का अवसर हमें प्राप्त होगा। हमें अतिथि देवो भव: का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। पूरी दुनिया के अंदर एक संदेश देने की आवश्यकता है कि दुनिया जब भी संकट में होगी, मानवता के ऊपर कोई खतरा आएगा, उस वक्त आशा भरी निगाहों को भारत की धरती ही दिखाई देगी।

विदेशी मेहमानों के भव्य स्वागत की है पूरी तैयारी

प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात ने वॉकाथन में शामिल होने आए माननीय मंत्रीगण, जनप्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों को स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि हम जी-20 सम्मेलन की बैठकों की मेजबानी कर रहे है। इसके लिए लखनऊ, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर व आगरा पूरी तरह तैयार है। हमें विदेशी मेहमानों का भव्य स्वागत करने के साथ ही उत्तर प्रदेश की अनूठी छवि उनके समझ प्रस्तुत करनी है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, निदेशक स्थानीय निकाय, श्रीमती नेहा शर्मा मौजूद रहीं।

स्वच्छ विरासत अभियान का समापन

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस (24 जनवरी) के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश के स्वच्छ विरासत अभियान का समापन संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश भर के निकायों में स्वच्छता का संदेश दिया गया। लखनऊ स्थित ऐतिहासिक रेजीडेंसी में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि निदेशक नगर निकाय, श्रीमती नेहा शर्मा ने लखनऊ को स्वच्छता के मामले में देश में नम्बर वन बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लखनऊ की स्वच्छता सुनिश्चित करने में हमें अपना योगदान देना है। कूड़ा न फैलाएं। हरे डस्टबिन में गीला कूड़ा और नीले डस्टबिन में सूखा कूड़ा रखने का आदत डालें। आपकी यह छोटी से आदत लखनऊ को नम्बर वन बनाने की मुहिम में बड़ा योगदान साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस स्वच्छ विरासत अभियान के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे हैं। इसके माध्यम से न केवल स्थानीय लोग, बल्कि इन ऐतिहासिक धरोहरों पर पहुंचने वाले पर्यटकों को भी स्वच्छता से जोड़ा गया। इस अवसर पर श्रीमती नेहा शर्मा ने आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल सात विद्यालयों के लगभग 150 बच्चों से भी स्वच्छता के इस महाभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपके नाजुक कंधों के सहारे हम घर-बाहर दोनों जगह इस स्वच्छता अभियान को एक नई ऊंचाइयों पर ले जा सकेंगे। उन्होंने चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों जैसे रुमी गेट, इमाम बाड़ा व आगरा फोर्ट इत्यादि के प्रतिरुप कार्ड बोर्ड के जरिये उनका मॉडल बना कर दर्शाए। जिससे कि लोगों को हमारे देश की धरोहरों की जानकारी हो सके व लोग इनके इतिहास व महत्व को जान और समझने के लिए प्रेरित हो सकें। गौरतलब है कि 14 जनवरी को पंतग महोत्सव के साथ प्रदेश भर में 10 दिवसीय स्वच्छ विरासत अभियान की शुरुआत की गई थी। इसके अन्तर्गत 75 ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

कान्हा उपवन में किया गौपूजन

विशेष सचिव नगर विकास विभाग डॉ. राजेन्द्र पेंसिया ने नादरगंज स्थित कान्हा उपवन में गौ-पूजन के साथ स्वच्छ विरासत अभियान का समापन किया। उन्होंने कहा कि घरों से निकालकर सड़कों पर फेंका जाने वाला कूड़ा गोवंश के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। इसके अतिरिक्त सिंगल यूज प्लास्टिक को कम से कम इस्तेमाल में लाये जाने की अपील करते हुए उन्होंने इसके दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होंने कूड़ा पृथक्कीकरण पर जोर देते हुए कहा कि कचरे को अलग-अलग कर हम आसानी से उसका निस्तारण सुनिश्चित कर सकते हैं।

G 20 : स्वच्छता संग मेजबानी के 'उत्साही' रंग

मेहमानों की मेजबानी के लिए तैयार

जी-20 शिखर सम्मेलन की उत्तर प्रदेश के चार महानगरों, लखनऊ, आगरा, वाराणसी व गौतमबुद्धनगर में होने वाली बैठकों के मद्देनजर सभी महानगरों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राजधानी लखनऊ में 13 से 15 फरवरी के मध्य आयोजित जी-20 सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी मेहमानों की भव्य मेजबानी के लिए शहर सज-धज कर तैयार है। अतिथियों के भ्रमण रूट पर उत्तर प्रदेश की संस्कृति को दीवारों पर मनमोहक अंदाज में दर्शाया गया है। वैश्विक पटल पर उत्तर प्रदेश की उत्कृष्ट छवि स्थापित करने के लिए नगर विकास विभाग प्रतिबद्ध है। वाराणसी जी-20 सम्मेलन में आने वाले मेहमानों का स्वागत करने के लिए तैयार है, सम्मेलन में आने वाले मेहमानों का स्वागत बनारस के गुलाबी मीनाकारी से किया जाएगा. विदेशी मेहमान यहां की हस्त कला और संस्कृति से रुबरु होंगे.

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

नगर की खबर

जोश और उमंग के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस के मौके पर स्थानीय निकाय निदेशालय में झंडारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक स्थानीय निकाय, श्रीमती नेहा शर्मा ने झंडारोहण किया एवं विभागीय कर्मियों एवं अधिकारियों को भारत गणतंत्र को मजबूत बनाने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन निष्ठापूर्वक करना चाहिए। संविधान ने हर नागरिक को बराबरी का अधिकार दिया है इसलिए सभी का यह कर्तव्य है कि संविधान के अनुसार गणतंत्र को मजबूत करें। निःसंदेह पिछले सात दशकों के दौरान हमारे संविधान ने अखंडता और स्थिरता दी है, जो हमारे गणतंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर पालिका परिवार गाजियाबाद द्वारा परेड के लिए कूड़ा प्रबंधन पर आधारित झांकी तैयार की गई। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत सॉलिड वेस्ट सामग्री से इस झांकी को तैयार किया गया। झांकी के माध्यम से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करने, गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने जैसे स्वच्छता का संदेश देने की कोशिश की गई। गाजियाबाद पुलिस लाइन में इस झांकी का प्रदर्शन किया गया

क्रिकेट मैच को लखनऊ नगर निगम द्वारा किया गया ज़ीरो वेस्ट मैच

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में सम्पन्न हुए भारत बनाम न्यूज़ीलैंड के मध्य क्रिकेट मैच को लखनऊ नगर निगम ने स्वच्छता की दृष्टि से ज़ीरो वेस्ट मैच बनाया। मैच देखने आए दर्शकों को पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सिंगल यूज़ प्लास्टिक और पॉलीथिन का उपयोग न करने के लिए जागरूकता संदेश जगह-जगह पर लगाए गए। इतना ही नहीं टीम इंडिया और टीम न्यूज़ीलैंड के स्टैंड के पास ही ज़ीरो वेस्ट इवेंट से जुड़े सेल्फी कटआउट भी स्थापित किए गए। आयोजन को जीरो वेस्ट बनाए जाने के लिए क्रिकेट मैच के दौरान उत्सर्जित सूखे कचरे को ग्यारह प्रकार से पृथक करने के उपरांत ही रिसाइकलर्स को भेजा गया। गीले कचरे को एकत्रित करने के उपरांत आर्गेनिक वेस्ट कर्न्वटर के माध्यम से प्रसंस्करण किया गया। जल संरक्षण एवं नगर निगम लखनऊ के 'लखनऊ वन' एप के प्रति भी शहरवासियों को जागरूक किया गया। नगर निगम द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में जीरो वेस्ट को बनाया जाएगा।

नगर की खबर

बेकार कुल्हड़ों से बनाया राष्ट्रनायकों का पोर्ट्रेट

नगर निगम गोरखपुर द्वारा अनूठी पहल करते हुए चाय विक्रेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए कुल्हड़ों से राष्ट्रनायकों का पोर्ट्रेट बनाया गया। गणतंत्र दिवस पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और सावित्री बाई फुले का यह प्रोट्रेट तीस हजार उपयोग किए गए कुल्हड़ों से बनाया गया है। नगर निगम गोरखपुर के नगर आयुक्त अविनाश सिंह की निगरानी में राज्य मिशन निदेशक नेहा शर्मा की सलाह पर यह बना यह पोर्ट्रेट '3R' सिद्धांत (रिड्यूस, रियूज एंड रीसायकल) एवं वेस्ट टू वण्डर विषय पर जागरूकता का संदेश भी देता है। यह पोर्ट्रेट रामगढ़ताल के नौका विहार में यूके आर्ट्स के सहयोग से बनाया गया। इस अवसर पर आमजन को पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ उसे कचरे के बोझ से बचाने के लिए जागरूक भी किया गया।

'कबाड़ से जुगाड़' कर पर्यावरण को बचाएं

नगरीय निकायों द्वारा स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ ही आमजन को रीयूज (पुन: उपयोग) के प्रति जागरूक करने के दृष्टिगत अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। नगर निगम फिरोजाबाद, नगर निगम झांसी समेत कई नगर निगमों ने इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया है। नगर निगम फिरोजाबाद ने जहां चौराहों व पार्कों के सौंदर्यीकरण में पुराने टायरों का उपयोग कर स्वच्छता संग सुंदरता का नायाब उदाहरण प्रस्तुत किया है। वहीं नगर निगम झांसी ने भी बेकार वस्तुओं का प्रयोग कर पार्क के सौंदर्यीकरण में चार-चांद लगाए हैं। नगर पालिका परिषद अकबरपुर (अंबेडकर नगर) द्वारा भी कुछ ऐसा ही प्रयास किया गया है। पर्यावरण पर कचरे का बोझ बढ़ाने वाली वस्तुओं का हम पुन: उपयोग कर पर्यावरण को बचाने में महती भूमिका निभा सकते हैं। इस दिशा में निकायों द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं।

नगर निगम प्रयागराज द्वारा माघ मेला क्षेत्र में वेस्ट म्यूजियम की स्थापना

नगर निगम प्रयागराज द्वारा माघ मेला क्षेत्र, परेड ग्राउन्ड में वेस्ट म्यूजियम स्थापित किया गया है। इसका उद्घाटन राज्य मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) श्रीमती नेहा शर्मा द्वारा बीते दिनों किया गया। म्यूजियम में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन से जूड़ी जानकारी उपलब्ध कराई गई हैं। यहां विभिन्न स्टॉल के माध्यम से गीले-सूखे कूड़े को अलग-अलग करना, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, मैटेरियल रिकवरी फैसलिटीए, आगैनिक से सी0एन0जी0 वेस्ट सम्बन्धी कॉन्ट्रैक्ट एन्ड डेमोलेशन, जीरो वेस्ट सम्बन्धी तथा होम कम्पोस्टिंग के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इस वेस्ट म्यूजियम में वेस्ट मैटेरियल से सेल्फी प्वाइंट एवं स्वच्छ ढाबा बनाया गया।

उद्घाटन समारोह में निदेशिका महोदया तथा नगर आयुक्त द्वारा नगर निगम, प्रयागराज में स्वच्छता हेतु ब्रांड अम्बेस्डर पीहू को जन जागरूकता कार्यक्रम हेतु प्रोत्साहन प्रमाण-पत्र द्वारा सम्मानित किया गया, साथ ही मेले में आये हुये विभिन्न नागारिकों/श्रद्धालुओं को स्वच्छता सम्बन्धी शपथ दिलायी गई। गारिकों/श्रद्धालुओं को स्वच्छता कार्यक्रम में भागीदारी हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाते हुये जागरूक करने का कार्य किया गया। वेस्ट म्यूजियम कार्यक्रम के दौरन नगर आयुक्त, नगर निगम प्रयागराज श्री चन्द्र मोहन गर्ग, जोनल अधिकारी जोन-4 श्री संजय ममगई, पर्यविरण अभियन्ता श्री उत्तम कुमार वर्मा, क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक एवं नगर निगम कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम की अच्छी पहल, अब कूड़े से बना रहे काम की चीजें

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नगर निगम ने 'बेकार को आकार' देने की दिशा में शानदार पहल की है। अब लखनऊ में कबाड़ से काम की चीजें बनेंगी। टेट्रा पैक जैसे बेकार कचरे से भी इस्तेमाल के लायक चीजें बनेंगी। नगर निगम लखनऊ की तरफ से इसकी शुरुआत कर दी गई है। टेट्रा पैक और पॉलिथीन का इस्तेमाल कर बनाई गई बेंच नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने खुद अपने कमरे में आने वाले लोगों के बैठने के लिए रखी है। वो पेन- पेंसिल स्टैंड का भी उपयोग कर रहे हैं। वहीं नगर निगम बरेली द्वारा प्लास्टिक की खाली बोतलों का अद्भुत प्रयोग कर रीयूज (पुन: उपयोग) का नायाब उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

नगर आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह के अनुसार, अभी यह प्रयोग पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया है। आने वाले समय में लखनऊ के लोग भी ऐसी चीजों का उपयोग कर सकेंगे, और बेकार कचरे को बेचकर रुपये भी कमा सकेंगे।

कचरे से बनाई जा रही इस्तेमाल करने वाली चीजें

लखनऊ नगर निगम अभी प्राइवेट कंपनी को तीन हजार घरों का सूखा कूड़ा उपलब्ध करा रहा है, जिससे प्लास्टिक, लोहा, पॉलिथीन, टेट्रा पैक आदि को अलग किया जाता है। इसके बाद उससे इस्तेमाल करने वाली चीजें बनाई जा रही हैं। निजी कंपनी के निदेशक अनुराग के मुताबिक, कचरे को पहले कंप्रेस किया जाता है। फिर उसे रिसाइकिलिंग प्लांट में गलाकर शीट बनाने का काम किया जाता है। हालांकि अभी राजधानी लखनऊ में रिसाइकिलिंग प्लांट नहीं है।

नगर निगम बरेली द्वारा प्लास्टिक की खाली बोतलों का अद्भुत प्रयोग कर रीयूज (पुन: उपयोग) का नायाब उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

स्वच्छ प्रयास